प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (2022-23)

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा - दसवीं

Sample Paper - 2

निर्धारित समय :3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :-

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: [5]

अपनी सभ्यता का जब में अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार उन्हें विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है। वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं।

जब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने काम में अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से सम्पन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, वे अन्यथा उन कारखानों के मज़दूरों की तरह ही हैं जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व यही धन करता है।

यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे। जो लोग काम के अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

(i) पहले वर्ग के लोग काम को किस रूप में देखते हैं?

क) समाज सेवा के रूप में

ख) कर्त्तव्य भावना के रूप में

ग) आनंद प्राप्ति के साधन के रूप में

घ) धन प्राप्ति के साधन के रूप में

(ii) दूसरे वर्ग के लोग धन क्यों कमाना चाहते हैं?

क) क्योंकि यही उनका एकमात्र उद्देश्य होता है

ख) क्योंकि धन से ही इच्छाओं की पूर्ति होती है

ग) क्योंकि वे दिनभर की थकान मिटा सकें

घ) क्योंकि वे अपने काम से अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें

(iii) काम करना किनके लिए घृणित है?

क) जो दैनिक जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं

ख) जो धन और काम को समान नहीं मानते हैं

ग) जो काम की तुलना में धन को प्राथमिकता देते हैं

घ) जो धन की तुलना में काम को प्राथमिकता देते हैं

(iv) दूसरे वर्ग के लोगों के विषय में कौन-सा कथन सही नहीं है?

क) वे काम में अनुरक्त रहते हैं

ख) वे काम के प्रति समर्पित होते हैं

ग) वे वस्तुओं को रूप देने में आनंद का अनुभव करते हैं

घ) वे काम से छुटकारा पाना चाहते हैं

(v) पहले वर्ग के लोगों के विषय में कौन-सा/कौन-से कथन सही हैं-

i. जो काम को केवल धन अर्जित करने के रूप में देखते हैं
ii. जो काम को घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं
iii. जो काम को आनंद के रूप में देखते हैं
iv. जो काम को अधिक महत्व नहीं देते

क) कथन i, ii व iii सही हैं

ख) कथन ii सही है

ग) कथन ii, iii व iv सही हैं

घ) कथन i, ii व iv सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं की बरफ़ीली चोटियों के स्पर्श से शीतल हुई हवा सबसे बेखबर अपनी ही मस्ती में सुबह-सुबह बहती जा रही थी। जब वह जंगलों के बीच से गुजर रही थी, तो फूलों से लदी खूबसूरत वन लता ने अपने रंग भरे शृंगार को झलकाते हुए कहा, ओ शीतल हवा! तनिक मेरे पास आओ और रुको। ताकि मेरी खुशबू से ओतप्रोत होकर

इस संसार को अपठित गद्यांश शीतल ही नहीं, सुगंधित भी कर सको लेकिन गर्व से भरी वायु ने सुगंध बाँटने को आतुर लता की प्रार्थना नहीं सुनी और कहा, मैं यूँ ही सबको शीतल कर दूँगी, मुझे किसी से कुछ और लेने की ज़रूरत नहीं है। फिर वह इठलाती हुई आगे बढ़ गई।
पर कुछ ही देर बाद हवा वापस वहीं लौटकर आ गई, जहाँ वन लता से उसका वार्तालाप हुआ था। उसकी चंचलता खत्म हो चुकी थी और वह उदास थी। वह चुपचाप उस लता के समीप बैठ गई।
हवा को इस हाल में देखकर वन लता ने पूछा, अभी कुछ देर पहले ही तो तुम यहाँ से गुज़री थी और खुश लग रही थी। अब इतनी उदास दिखाई पड़ रही हो, क्या बात है? क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद कर सकती हूँ? यह सुनकर हवा की आँखों से आँसू झरने लगे। उसने कहा, मैंने अहंकारवश तेरी बात नहीं सुनी और न तेरी खुशबू को ही साथ लिया, लेकिन जैसे ही आगे बढ़ी, गंदगी और बदबू में घिर गई। किसी तरह वहाँ से बचकर आगे बढ़ी और घरों तक पहुँची, लेकिन वहाँ किसी ने मेरा स्वागत नहीं किया। लोगों ने अपने घरों की खिड़कियाँ और दरवाजे बंद कर लिए। इसमें उनका भी कोई दोष नहीं था।उस गंदे क्षेत्र से गुजरने के कारण मुझमें दुर्गंध व्याप्त हो गई थी। भला दुर्गंधयुक्त वायु का कोई कैसे स्वागत करता?

(i) हवा को किस पर घमंड था?

क) अपनी शक्ति पर ख) अपनी गति पर

ग) अपनी उड़ान पर घ) अपनी शीतलता पर

(ii) लता क्या करने के लिए आतुर थी?

क) लोगों से मिलने को ख) हवा के साथ जाने को

ग) घूमने को घ) सुगंध बाँटने को

(iii) हवा को किसने रोका और क्यों?

क) पर्वतों ने , क्योंकि वे उसे जाने नहीं देना चाहते थे ख) लता ने , क्योंकि वह भी जाना चाहती थी

ग) गंदगी ने, क्योंकि उसे हवा पसंद नहीं थी घ) लोगों ने, क्योंकि हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी

(iv) गंदगी और बदबू का हवा पर क्या असर पड़ा?

क) हवा सुगन्धयुक्त हो गई थी ख) हवा शीतल हो गई थी

ग) हवा चलनी बंद हो गई थी घ) हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी

(v) **कथन (A):** अपने आस-पास के वातावरण का प्रभाव सजीव के साथ-साथ प्रकृति पर भी पड़ता है।
कारण (R): दुर्गन्धयुक्त वायु वातावरण को भी दुर्गन्ध से युक्त कर देती है।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं

तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) मैं यह लताड़ सुनकर आँसू **बहाने लगता।** रेखांकित में पदबंध है-

क) विशेषण पदबंध

ख) संज्ञा पदबंध

ग) क्रिया पदबंध

घ) क्रिया विशेषण पदबंध

(ii) **मीठे-मीठे सपने देखने वाले** लोग अकर्मण्य होते हैं। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) सर्वनाम पदबंध

ख) विशेषण पदबंध

ग) क्रिया पदबंध

घ) संज्ञा पदबंध

(iii) गोपी से सभी **प्रभावित हुए क्योंकि** वह एक प्रभावशाली लड़की है। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) क्रिया-विशेषण पदबंध

ख) अव्यय पदबंध

ग) सर्वनाम पदबंध

घ) क्रिया पदबंध

(iv) **वे माँ से कहानी सुनते रहते हैं।** वाक्य में क्रिया-पदबंध है-

क) वे माँ से

ख) कहानी सुनते

ग) सुनते रहते हैं

घ) माँ से कहानी

(v) **खून करनेवाले डाकुओं में** कुछ दयालु भी होते हैं। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) विशेषण पदबंध

ख) संज्ञा पदबंध

ग) सर्वनाम पदबंध

घ) क्रिया पदबंध

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) कप्तान ने टॉस जीता इसलिए खुश हो गया। (सरल वाक्य)

क) टॉस जीतते ही कप्तान खुश हो गया।

ख) कप्तान खुश हो गया क्योंकि उसने टॉस जीता था।

ग) कप्तान ने टॉस जीता इसलिए कप्तान की ख़ुशी का कोई

घ) कप्तान ने टॉस जीता था इसलिए खुश हो रहा था।

ठिकाना न था।

(ii) **राम ने ऐसी कहानी सुनाई कि करन रो पड़ा।** वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण है-

क) राम ने कहानी सुनाई क्योंकि करन रो रहा था।

ख) राम ने कहानी सुनाई जब करन रो पड़ा।

ग) राम ने ऐसी कहानी सुनाई जिसको सुन कर करन रो पड़ा।

घ) राम ने कहानी सुनाई और करन रो पड़ा।

(iii) **यह निश्चित नहीं है कि वह कब आएगा।** सरल वाक्य में बदलिए-

क) वह नहीं आएगा

ख) उसके आने का समय निश्चित नहीं है

ग) वह अभी तक नहीं आया

घ) वह कभी भी आ-जा सकता है

(iv) निम्नलिखित में से सरल वाक्य का चयन कीजिए-

i. यह बिल्कुल सच है आप जो कुछ कह रहे हैं।
ii. आप बिल्कुल सच कह रहे हैं।
iii. जो कुछ आप कह रहे हैं, यह बिल्कुल सच है।
iv. आप जो कुछ कह रहे हैं, यह बिल्कुल सच है।

क) विकल्प (i)

ख) विकल्प (ii)

ग) विकल्प (iii)

घ) विकल्प (iv)

(v) **तुम पढ़कर सो जाना।** वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

क) जैसे ही उसने पढ़ा वह सो गया।

ख) तुम पढ़ना और सो जाना।

ग) वह पढ़कर सो गया।

घ) जब तुम पढ़ लोगे तब सो जाना।

5. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) अच्छी तरह पढ़ना

क) शब्द जानना

ख) शब्द पढ़ना

ग) शब्द चाटना

घ) शब्द खाना

(ii) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर रोहन के माता-पिता की __________।

क) सुध-बुध खो जाना

ख) त्योरियाँ चढ़ना

ग) हिम्मत टूटना

घ) खुशी का ठिकाना न रहा

(iii) वास्तविकता का अहसास होना

क) आसमान से छत पर आना　　　ख) आसमान से गिरना

ग) आसमान से जमीन पर आना　　　घ) आकाश से आसमान तक आना

(iv) गरम-गरम गुलाब जामुन देखकर मेरे मुँह में ________ आ गया। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए-

क) सभी विकल्प सही हैं　　　ख) पानी

ग) दूध　　　घ) शरबत

(v) विवाह के अवसर पर दिन भर मेहमानों के स्वागत में लगे रहने से मेरा ________ रहा है। मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

क) अंग-अंग ढीला होना　　　ख) पैरों पर खड़ा होना

ग) अपना हाथ जगन्नाथ　　　घ) शरीर थक जाना

(vi) कक्षा में प्रथम आना है तो तुम्हें खूब ______पड़ेंगे |

क) पापड़ बनाने　　　ख) पापड़ खाने

ग) पापड़ बेलने　　　घ) पापड़ पकाने

6. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) अव्ययीभाव समास में पूर्व पद ___________होता है। रिक्त स्थान के लिए उचित विकल्प चुनिए।

क) अव्यय　　　ख) सर्वनाम

ग) विशेषण　　　घ) क्रिया

(ii) माता-पिता

क) माता का पिता - तत्पुरुष समास　　　ख) माता है जो पिता - कर्मधारय समास

ग) माता या पिता - कर्मधारय समास　　　घ) माता और पिता - द्वंद्व समास

(iii) श्रीकृष्ण ने **<u>पिताम्बर</u>** धारण किया है। रेखांकित शब्द का समास का भेद बताइए-

क) तत्पुरुष　　　ख) द्वंद्व

ग) कर्मधारय　　　घ) बहुव्रीहि

(iv) **विधानसभा** शब्द का उचित समास-विग्रह है-

क) विधान में सभा　　　ख) विधान से सभा

ग) विधान की सभा　　घ) विधान के लिए सभा

(v) जिस समास का पहला पद अव्यय होता है, ________कहलाता है।

क) अव्ययीभाव समास　　ख) बहुब्रीहि समास

ग) तत्पुरुष समास　　घ) द्वंद्व समास

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) कर चले हम फ़िदा गीत में 'सिर पर कफ़न बाँधना' से क्या आशय है?

क) किसी को मरना　　ख) घर लौट जाना

ग) मर जाना　　घ) देश पर मर- मिटना

(ii) मीरा के प्रिय कृष्ण सिर पर क्या धारण किए हुए रहते हैं?

क) प्रेम　　ख) स्वर्ण मुकुट

ग) मोर मुकुट　　घ) गोवर्धन पर्वत

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ।
बिन साबण पाँणीं बिना, निरमल करै सुभाइ।।

(i) निंदा करने वाले व्यक्ति को किस स्थान पर रखना चाहिए?

क) परिवार के साथ　　ख) घर के बाहर

ग) सदा अपने पास　　घ) अपने से दूर

(ii) **निंदक नेड़ा राखिये** पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) यमक अलंकार　　ख) अनुप्रास अलंकार

ग) रूपक अलंकार　　घ) अतिशयोक्ति अलंकार

(iii) निंदक को समीप रखने पर व्यक्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है?

क) हम निंदा करना सीख जाते हैं　　ख) हमारा स्वभाव निर्मल हो जाता है

ग) हम निंदक से घृणा करने लगते हैं　　घ) हम बिना कारण ही चिंतित रहने लगते हैं

(iv) निंदक हमारी निंदा करके हमें कौन-सा अवसर प्रदान करता है?

क) आत्मग्लानि करने का　　ख) ईष्या-द्वेष करने का

ग) दूसरों की निंदा करने का　　　　घ) आत्मसुधार करने का

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. स्वभाव को निर्मल करने के लिए निंदक को पास रखना चाहिए।
ii. ज्ञान के दीपक से ही अज्ञान दूर हो सकता है।
iii. निंदक नेड़ा राखिये पंक्ति में अनुप्रास अलंकार है।
iv. कबीर अहंकार को मिटाने की बात करते हैं।
v. निंदक को अपने आँगन में ही रखना चाहिए।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए-

क) (i), (ii), (iv)　　　　ख) (i), (iii), (v)

ग) (ii), (iv), (v)　　　　घ) (i), (iv), (iii), (ii)

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार ततााँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने ततााँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था। किंतु वही ततााँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ यह संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। किंतु यह असंभव जान पड़ा। ततााँरा बार-बार उसकी आँखों के सामने था। निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ।

(i) ततााँरा की कौन सी छवि वामीरो को दिख रही थी?

क) प्रतीक्षारत निर्मिमेष याचक　　　　ख) सम्मोहित करने वाली

ग) युद्धरत वीर　　　　घ) साहसी युवक

(ii) वामीरो ने ततााँरा को भूलना क्यों उचित समझा?

क) क्योंकि उसकी कहानियाँ झूठी थीं　　　　ख) क्योंकि ततााँरा विवाहित था

ग) क्योंकि वह कायर था　　　　घ) क्योंकि उनका संबंध नही हो सकता था

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): किसी दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध बनाने की परंपरा थी।
कारण (R): वामीरो घर पहुँच कर बहुत खुश थी।

क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

ख) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) वामीरो घर पहुंच कर कैसी हो गई?

क) प्रसन्न

ख) बेचैन

ग) याचक

घ) मौन

(v) वामीरो ने अपनी कल्पना में तताँरा की कौन सी छवि बनाई थी?

क) एक विचलित प्राणी

ख) शांत और सभ्य

ग) एक साहसी युवक

घ) सुंदर और बलिष्ठ

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) **तीसरी कसम** में किसने अभिनय किया?

क) शम्मी कपूर ने

ख) राजेश खन्ना ने

ग) राज कपूर ने

घ) निदा फ़ाज़ली

(ii) **अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले** पाठ के लेखक की माँ ने पूरे दिन रोजा क्यों रखा?

क) रमज़ान का महीना होने के कारण

ख) उनसे कबूतरों का घोंसला टूट जाने के कारण

ग) उनकी गलती की माफ़ी मांगने के लिए

घ) लेखक के द्वारा समझाने के कारण

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) विरासत में मिली चीजों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

(ii) विपदाओं से मुझे बचाओ यह मेरी प्रार्थना नहीं इस पंक्ति से कवि का क्या तात्पर्य है? आत्मत्राण कविता के आधार पर लिखिए।

(iii) वर्षा ऋतु में इंद्र की जादूगरी के दो उदाहरण दीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) आशय स्पष्ट कीजिए- "फिर भी जैसे-मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया

के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेलकूद का तिरस्कार न कर सकता था।"

(ii) कारतूस पाठ के आधार पर वज़ीर अली की बहादुरी व हिम्मत का परिचय अपने शब्दों में दीजिए।

(iii) लेखक ने जापानियों के दिमाग में स्पीड का इंजन लगने की बात क्यों कही है? **झेन की देन** के आधार पर बताइए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) हरिहर काका के प्रति लेखक की आसक्ति के क्या कारण है ? हरिहर काका कहानी के आधार पर लिखिए ?

(ii) प्रायः अभिभावक बच्चों को खेल कूद में ज्यादा रूचि लेने पर रोकते हैं और समय बर्बाद न करने की नसीहत देते हैं। बताइए- आप कौन से ऐसे नियम-कायदों को अपनाएँगे जिससे अभिभावकों को आपके खेल पर आपत्ति न हो?

(iii) मानवीय मूल्यों के आधार पर इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला की दोस्ती की समीक्षा कीजिए।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. रेल द्वारा बुक कराकर भेजा गया घरेलू सामान आपके निवास के निकटस्थ स्टेशन तक नहीं पहुँचा है। इसकी शिकायत करते हुए रेल प्रबंधक को एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपसे खिड़की का शीशा टूट गया है। कक्षाध्यापक ने आप पर दो सौ रुपये का जुर्माना लगा दिया है। जुर्माना माफ़ कराने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

15. **पुस्तकें पढ़ने की आदत** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- पढ़ने की घटती प्रवृति
- कारण और हानि
- पढ़ने की आदत से लाभ

अथवा

बाल दिवस विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

अथवा

कोरोना वायरस विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- कोरोना का संक्रमण
- बचाव के उपाय
- लॉकडाउन के सकारात्मक प्रभाव

16. आपको विद्यालय में एक बटुआ मिला है, जिसमें कुछ रुपयों के साथ कुछ जरूरी कार्ड भी हैं। छात्रों से इसके मालिक की पूछताछ और वापस पाने की प्रक्रिया बताते हुए एक सूचना तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आपके विद्यालय में होने वाली **वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता** में भाग लेने हेतु छात्रों के लिए सूचना लिखिए।

17. चाय विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **[3]**

अथवा

ए.टी.एम. केंद्रों पर सावधानी बरतने संबंधी निर्देश देते हुए पंजाब नेशनल बैंक की ओर से लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

18. **घमण्डी खरगोश** विषय पर एक लघु कथा लिखिए। **[5]**

अथवा

आपकी बस्ती के पार्क में कई अनधिकृत खोमचे वालों ने डेरा डाल दिया है, उन्हें हटाने के लिए नगर-निगम अधिकारी को dyancsz@mcd.org.in एक ईमेल लिखिए।

Solution

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

अपनी सभ्यता का जब में अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार उन्हें विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है। वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं।

जब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने काम में अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से सम्पन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, वे अन्यथा उन कारखानों के मज़दूरों की तरह ही हैं जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व यही धन करता है। यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे।

जो लोग काम के अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

(i) **(घ)** धन प्राप्ति के साधन के रूप में

व्याख्या: पहले वर्ग के लोग काम को केवल धन प्राप्ति के साधन के रूप में देखते हैं। वे काम कम तथा धन को अधिक महत्त्व देते हैं।

(ii)**(घ)** क्योंकि वे अपने काम से अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें

व्याख्या: दूसरे वर्ग के लोग धन इसलिए कमाना चाहते हैं, क्योंकि वे अपने काम से अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। ये लोग काम को पूजा मानते हैं तथा उसे महत्त्व देते हैं।

(iii)**(ग)** जो काम की तुलना में धन को प्राथमिकता देते हैं

व्याख्या: काम करना उनके लिए घृणित है, जो काम की तुलना में धन को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे लोग काम को काम न समझकर उसे बोझ समंझते हैं और धन कमाने को प्रमुखता प्रदान करते हैं।

(iv)**(घ)** वे काम से छुटकारा पाना चाहते हैं

व्याख्या: दूसरे वर्ग के लोगों के विषय में यह कथन सही नहीं है कि वे काम से छुटकारा पाना चाहते हैं, क्योंकि ये लोग काम से छुटकारा नहीं पाना चाहते, बल्कि काम को आनंद के साथ करते हैं।

(v)**(घ)** कथन i, ii व iv सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iv सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं की बरफ़ीली चोटियों के स्पर्श से शीतल हुई हवा सबसे बेखबर अपनी ही मस्ती में सुबह-सुबह बहती जा रही थी। जब वह जंगलों के बीच से गुजर रही थी, तो फूलों से लदी खूबसूरत वन लता ने अपने रंग भरे श्रृंगार को झलकाते हुए कहा, ओ शीतल हवा! तनिक मेरे पास आओ और रुको। ताकि मेरी खुशबू से ओतप्रोत होकर इस संसार को अपठित गद्यांश शीतल ही नहीं, सुगंधित भी कर सको लेकिन गर्व से भरी वायु ने सुगंध बाँटने को आतुर लता की प्रार्थना नहीं सुनी और कहा, मैं यूँ ही सबको शीतल कर दूँगी, मुझे किसी से कुछ और लेने की ज़रूरत नहीं है। फिर वह इठलाती हुई आगे बढ़ गई।
पर कुछ ही देर बाद हवा वापस वहीं लौटकर आ गई, जहाँ वन लता से उसका वार्तालाप हुआ था। उसकी चंचलता खत्म हो चुकी थी और वह उदास थी। वह चुपचाप उस लता के समीप बैठ गई।
हवा को इस हाल में देखकर वन लता ने पूछा, अभी कुछ देर पहले ही तो तुम यहाँ से गुज़री थी और खुश लग रही थी। अब इतनी उदास दिखाई पड़ रही हो, क्या बात है? क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद कर सकती हूँ? यह सुनकर हवा की आँखों से आँसू झरने लगे। उसने कहा, मैंने अहंकारवश तेरी बात नहीं सुनी और न तेरी खुशबू को ही साथ लिया, लेकिन जैसे ही आगे बढ़ी, गंदगी और बदबू में घिर गई। किसी तरह वहाँ से बचकर आगे बढ़ी और घरों तक पहुँची, लेकिन वहाँ किसी ने मेरा स्वागत नहीं किया। लोगों ने अपने घरों की खिड़कियाँ और दरवाजे बंद कर लिए। इसमें उनका भी कोई दोष नहीं था।उस गंदे क्षेत्र से गुजरने के कारण मुझमें दुर्गंध व्याप्त हो गई थी। भला दुर्गंधयुक्त वायु का कोई कैसे स्वागत करता?

(i) **(घ)** अपनी शीतलता पर
व्याख्या: अपनी शीतलता पर
(ii)**(घ)** सुगंध बाँटने को
व्याख्या: सुगंध बाँटने को
(iii)**(घ)** लोगों ने, क्योंकि हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी
व्याख्या: लोगों ने, क्योंकि हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी
(iv)**(घ)** हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी
व्याख्या: हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी
(v)**(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** क्रिया पदबंध
व्याख्या: क्रिया पदबंध
(ii)**(ख)** विशेषण पदबंध
व्याख्या: विशेषण पदबंध

(iii)**(ख)** अव्यय पदबंध
व्याख्या: अव्यय पदबंध
(iv)**(ग)** सुनते रहते हैं
व्याख्या: सुनते रहते हैं
(v)**(ग)** सर्वनाम पदबंध
व्याख्या: सर्वनाम पदबंध

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** टॉस जीतते ही कप्तान खुश हो गया।
व्याख्या: टॉस जीतते ही कप्तान खुश हो गया।
(ii)**(घ)** राम ने कहानी सुनाई और करन रो पड़ा।
व्याख्या: राम ने कहानी सुनाई और करन रो पड़ा।
(iii)**(ख)** उसके आने का समय निश्चित नहीं है
व्याख्या: उसके आने का समय निश्चित नहीं है
(iv)**(ख)** विकल्प (ii)
व्याख्या: आप बिल्कुल सच कह रहे हैं
(v)**(घ)** जब तुम पढ़ लोगे तब सो जाना।
व्याख्या: जब तुम पढ़ लोगे तब सो जाना।

5. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** शब्द चाटना
व्याख्या: शब्द चाटना - परीक्षा की तैयारी करते हुए रामू ने एक-एक शब्द चाट लिए।
(ii)**(घ)** खुशी का ठिकाना न रहा
व्याख्या: खुशी का ठिकाना न रहा
(iii)**(ग)** आसमान से जमीन पर आना
व्याख्या: आसमान से जमीन पर आना - भारत की जबरदस्त तैयारी देखकर चीन आसमान से जमीन पर आ गया।
(iv)**(ख)** पानी
व्याख्या: पानी
(v)**(क)** अंग-अंग ढीला होना
व्याख्या: अंग-अंग ढीला होना
(vi)**(ग)** पापड़ बेलने
व्याख्या: पापड़ बेलने - कई तरह के उपाय (येन-केन प्रकारेण)

6. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** अव्यय
व्याख्या: अव्ययीभाव समास का पूर्व पद अव्यय होता है और उससे बनने वाला नवीन पद भी अव्यय ही होता है।
(ii)**(घ)** माता और पिता - द्वंद्व समास
व्याख्या: यह विकल्प सही है क्योंकि यहाँ दोनों पद प्रधान हैं और समस्त पद बनाते समय

योजक शब्द 'और' का लोप हो गया है और योजक चिह्न (-) का प्रयोग किया गया है।

(iii)**(ग)** कर्मधारय

व्याख्या: कर्मधारय

(iv)**(घ)** विधान के लिए सभा

व्याख्या: विधानसभा में तत्पुरुष समास है।

(v)**(क)** अव्ययीभाव समास

व्याख्या: अव्ययीभाव समास

उदाहरण- आमरण = आ + मरण

अर्थ- मरण तक

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(घ)** देश पर मर- मिटना

व्याख्या: इस गीत में 'सर पर कफ़न बाँधना' से आशय देश पर मर-मिटने से है।

(ii)**(ग)** मोर मुकुट

व्याख्या: मीरा के प्रिय कृष्ण सिर पर मोर मुकुट धारण किए रहते हैं।

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ।
बिन साबण पाँणीं बिना, निरमल करै सुभाइ।।

(i) **(ग)** सदा अपने पास

व्याख्या: सदा अपने पास

(ii)**(ख)** अनुप्रास अलंकार

व्याख्या: अनुप्रास अलंकार

(iii)**(ख)** हमारा स्वभाव निर्मल हो जाता है

व्याख्या: हमारा स्वभाव निर्मल हो जाता है

(iv)**(घ)** आत्मसुधार करने का

व्याख्या: आत्मसुधार करने का

(v)**(ख)** (i), (iii), (v)

व्याख्या: स्वभाव को निर्मल करने के लिए निंदक को पास रखना चाहिए । निंदक नेड़ा राखिये पंक्ति में अनुप्रास अलंकार है। निंदक को अपने आँगन में ही रखना चाहिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था। किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ यह संबंध परंपरा

के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। किंतु यह असंभव जान पड़ा। तताँरा बार-बार उसकी आँखों के सामने था। निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ।

(i) **(क)** प्रतीक्षारत निर्मिमेष याचक
व्याख्या: प्रतीक्षारत निर्मिमेष याचक
(ii)**(घ)** क्योंकि उनका संबंध नही हो सकता था
व्याख्या: क्योंकि उनका संबंध नही हो सकता था
(iii)**(ग)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
(iv)**(ख)** बेचैन
व्याख्या: बेचैन
(v)**(ग)** एक साहसी युवक
व्याख्या: एक साहसी युवक

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(ग)** राज कपूर ने
व्याख्या: राज कपूर ने
(ii)**(ग)** उनकी गलती की माफ़ी मांगने के लिए
व्याख्या: लेखक के घर में बिल्ली ने कबूतर का एक अंडा तोड़ दिया था। कबूतर के दूसरे अंडे को बचाने की कोशिश में लेखक की माँ से कबूतर का दूसरा अंडा भी टूट गया। इसलिए वह बहुत दुखी हुई और अपनी गलती की माफी मांगने के लिए उन्होंने पूरा दिन रोजा रखा और अल्लाह की बंदगी करती रही।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) विरासत में मिली चीजों की सँभाल इसलिए की जाती है क्योंकि-
i. वह हमें हमारे पूर्वजों की याद दिलाती है और उनसे हमें जोड़े रखती है।
ii. विरासत में मिली पुरानी चीजों से हमें हमारे प्राचीन इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है।
iii. इन चीजों से हमें हमारे पूर्वजों का हमारे निकट होने का अहसास होता है।
iv. इसमें हमारी संस्कृति की झलक मिलती है। यह धरोहर हमें हमारी संस्कृति व इतिहास से जोड़ती है।
v. ये हमें हमारे पूर्वजों, हमारी संस्कृति, परंपराओं, उपलब्धियों आदि से परिचय कराती है एवं उनसे जोड़े रखती है।
vi. यह हमारी आने वाली पीढ़ी को उनकी सभ्यता के बारे में जानने में मदद करती है एवं नई और पुरानी पीढ़ी को जोड़े रखती है इसलिए हमें इन्हें संरक्षित करके रखना चाहिए।
vii. विरासत में मिली चीजों से हमारी भावनाए जुडी होती है।

(ii)कविता के अनुसार प्रस्तुत पंक्ति 'विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं' में कवि ने ईश्वर से प्रार्थना की है। इससे कवि का तात्पर्य है कि वह ईश्वर से संकटों से बचाने की प्रार्थना नहीं करता है , बल्कि वह चाहता है कि ईश्वर उसे उन संकटों से लड़ने के लिए धैर्य और साहस प्रदान करें , ताकि वह अपनी कठिनाइयों का सामना कर सके । वह प्रभु से अपने लिए आत्मबल की माँग करता है , ताकि वह किसी भी परिस्थिति में विचलित ना हो सके ।

इसके अतिरिक्त कवि प्रार्थना करता है कि सुख हो या दुःख , उसका ईश्वर पर से विश्वास कभी भी कम ना हो , और कठिन से कठिन समय में भी उसका सिर ईश्वर के समक्ष झुका रहे ।

(iii) कवि ने कविता में दर्शाया है कि वर्षा के देवता इंद्र अपने बादल रूपी विमान में हर जगह घूम-घूमकर वे अपना इंद्रजाल खेल रहे हैं, जिसे यहाँ इंद्र की जादूगरी के रूप में प्रस्तुत किया गया है |

वर्षा ऋतु में इंद्र की जादूगरी के दो उदाहरण निम्नलिखित हैं-

i. आकाश में घने बादलों को देख कर ऊँचा उठने की कामना करते पेड़ पहाड़ के हृदय से उठकर अटल और चिंतित होकर आकाश की ओर देख रहे हैं | विशाल बादलों के कारण पर्वतों का दिखाई देना बंद हो गया है। झरने भी ओझल हो गए हैं | उनकी केवल आवाज़ ही सुनाई दे रही है। इस समय ऐसा प्रतीत हो रहा है, मानो पूरा पर्वत पारे के समान धवल एवं चमकीले पंख फड़काकर अचानक से उड़ गया हो |

ii. बादल घिरने के बाद बहुत तेज़ वर्षा हुई | घनघोर वर्षा के कारण शाल के वृक्ष भयभीत दिखाई दे रहे हैं। ऐसा लग रहा है मानो भय के कारण वे ज़मीन में फँस गए हों। तालाब के जल से इस प्रकार धुआँ उठता हुआ प्रतीत हो रहा है जैसे तालाब में आग लग गई हो।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) प्रस्तुत कथन का आशय है कि छोटा भाई हर समय अपने खेलकुद, सैर-सपाटे में मस्त रहता और बड़े भाई से डाँट खाता रहता था, परंतु फिर भी खेलकूद नहीं छोड़ता था।जिस प्रकार संकटों में फँसकर भी मनुष्य अपनी मोहमाया नहीं छोड़ता है। उसी प्रकार छोटे भाई के लिए खेलकूद किसी माया से कम नहीं था।

(ii) वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, इसका अनुमान उसके कारनामों से लग जाता है। अंग्रेजों ने षड़यंत्र द्वारा उसे तख़्त से हटाकर उसके पिता के भाई सआदत अली को नवाब घोषित कर दिया था । ऐसी विषम परिस्थितियों में भी उसने हार नहीं मानी तथा वह सदैव अंग्रेजों को खदेड़ने के लिए प्रयत्नशील रहा। उसके पास चंद सिपाही ही थे फिर भी बरसों कर्नल की फौज को जंगलों में भटकाता रहा। उसने अपनी बहादुरी का लोहा दुश्मनों से भी मनवाया है। ऐसी ही एक घटना में एक बार, वज़ीर अली को गिरफ्तार करने के लिए कर्नल कालिंज और एक लेफ्टिनेंट ने फौज के साथ जंगल में डेरा डाल रखा था। बहुत प्रयास करने के बाद भी वे उसे नहीं पकड़ पा रहे थे। तब भी वह एक घुड़सवार रूप में डेरे में अकेला आया और कर्नल से एकांत में मिलकर वज़ीर अली को पकड़ने के लिए ही दस कारतूस ले लिए। चलते-चलते कर्नल ने सवार से उसका नाम पूछा, तो उसने कहा, 'वज़ीर अली'। यह सुनकर कर्नल हक्का-बक्का रह गया और कुछ न कर सका।

(iii) लेखक ने जापानियों के दिमाग में स्पीड का इंजन लगने की बात इसलिए कही है क्योंकि अमेरिका से प्रतिस्पर्धा रखने के कारण जापानी निरंतर कार्यशील रहते हैं। वे एक महीने में पूरा होने वाला काम एक दिन में ही पूरा करने की कोशिश करते हैं। इसलिए स्पीड से काम करने के लिए लेखक ने ऐसा कहा है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) कथावाचक और हरिहर काका के बीच मित्रता का संबंध है। हरिहर काका अपने मन की सभी बातें कथावाचक को बता दिया करते थे। इसके निम्नलिखित कारण हैं-

i. हरिहर काका निःसंतान होने के कारण कथावाचक को बचपन से ही बहुत प्यार करते थे। यही प्यार बड़ा होते-होते दोनों के बीच मित्रता एवं आत्मीयता में परिवर्तित हो गया था।

ii. कथावाचक का घर हरिहर काका के पड़ोस में था और एक अच्छे पड़ोसी होने के नाते उन्हें कथावाचक पर बहुत विश्वास था।
iii. कथावाचक हरिहर काका के सुख-दुःख में उनके साथ रहता था। इससे दोनों के मन में परस्पर एक-दूसरे के लिए विश्वास पनप गया था।
iv. कथावाचक और हरिहर काका के बीच के दोस्ती का संबंध है। हरिहर काका अपने मन की साडी बातें कथावाचक को बता देते हैं। इस संबंध के दो प्रमुख कारण है । पहला कारण है की हरिहर काका का घर कथावाचक के पड़ोस में है। पडोसी होने के कारण सुख दुःख में उनका साथ रहा। दूसरा कारण है कि हरिहर काका कथावाचक को बचपन से बहुत प्यार करते थे। वही दुलार बड़ा होने पर दोस्ती में बदल गया ।

(ii)जिस तरह पढ़ाई भविष्य बनाने के लिए जरूरी है उसी तरह खेल हमारे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। ये बात अभिभावक भी भली-भांति समझते और मानते हैं।लेकिन कुछ बच्चे इस बात का गलत फायदा उठाने लगते हैं। ऐसे में बच्चों को ध्यान रखना चाहिए कि खेल के साथ-साथ पढ़ाई को भी बराबर बल्कि उससे थोड़ा ज्यादा ही समय दें। जिससे अभिभावकों को भी उनके खेलने से कोई आपत्ति न हो। अगर बच्चे अपना गृहकार्य सही समय पर पूरा कर लेंगे तो उनके खेल पर किसी तरह की रोक टोक ना रहेगी।

(iii)i. धर्म , भाषा, रहन -सहन, खान -पान, पारिवारिक वातावरण आदि पूर्णतः भिन्न होने के बावजूद भी दोनों में मित्रता गहरी थी।
ii. दोनों मन से दोस्त थे, उनका संबंध आंतरिक था बाह्य नहीं।
iii. टोपी इफ़्फ़न के घर का खाना कभी नहीं खाता था, परंतु इसका उनकी दोस्ती पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।
iv. दोनों एक दूसरे की भावनाओं को समझते थे और परस्पर उनका सम्मान करते थे।
v. घर में 'अम्मी' शब्द कहने पर टोपी ने मार खाई परंतु इफ़्फ़न के घर न जाने के लिए नहीं माना।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. सेवा में,
रेल प्रबंधक,
भारतीय रेलवे।
विषय - रेल द्वारा बुक सामान न मिलने के सन्दर्भ में।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि दिल्ली से जयपुर आने वाली अजमेर शताब्दी में दिनांक 15/09/20XX को मैने कुछ घरेलू सामान बुक कराया था। लेकिन एक सप्ताह व्यतीत हो जाने पर भी वह हमारे निवास स्थान जयपुर (गांधीनगर) के निकटस्थ स्टेशन तक नहीं पहुँचा है। जयपुर (गांधीनगर) रेलवे स्टेशन के अधिकारी कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे रहे हैं। अतः मेरी परेशानी को ध्यान में रखकर कृपया उचित कार्यवाही कर मेरा सामान दिलवाने की कृपा करें।
भवदीय,
सुशील शर्मा
25, गांधीनगर
जयपुर
मो.न. - 92111011XX
रसीद न. - 25021441
दिनांक- 6/10/20XX

अथवा

प्रधानाचार्य महोदय,
रा.व.मा. बाल विद्यालय,
हरिनगर, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
विषय: जुर्माना माफ कराने के संबंध में
महोदय,
मैं आपके विद्यालय की नौवीं कक्षा का छात्र हूँ। कल मध्यांतर में खेलते समय एक अनचाही घटना हो गई। मैं अन्य सहपाठियों के साथ क्रिकेट खेल रहा था, तभी एक बॉल को बल्ले से ज़ोर से मार बैठा। यह बॉल सीधे कक्षा-कक्ष की खिड़की से जा टकराई, जिससे उसमें लगा काँच चूर-चूर होकर गिर गया। टूटा काँच देखकर मैं सन्न रह गया, पर क्या कर सकता था। इन खिलाड़ियों के बीच कैप्टन भी मैं ही था। चपरासी की शिकायत पर कक्षाध्यापक ने मुझे बुलवाया और दो सौ रुपये का जुर्माना कर दिया है।
श्रीमान जी यह घटना अनजाने में हुई है। इसमें मेरा तनिक भी दोष नहीं है। अनजाने में हुई इस घटना के लिए मैं आपसे क्षमा प्रार्थी हूँ। मैं यह भी वचन देता हूँ कि भविष्य में ऐसी गलती नहीं होने पाएगी। मेरे पिता जी एक फैक्ट्री में काम करते हैं। उनकी आय कम होने के कारण इतना जुर्माना भरना उनकी सामर्थ्य के बाहर है।
आपसे प्रार्थना है कि अनजाने में हुई इस भूल के लिए मुझे माफ करते हुए अर्थदंड से मुक्त करने की कृपा करें।
धन्यवाद सहित।
आपका आज्ञाकारी शिष्य,
अंकित

15. **पुस्तकें पढ़ने की आदत**

ज्ञान की कोई सीमा नहीं है। अगर हम अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित कर लेते हैं तो भी हम तृप्त नहीं हो सकते क्योंकि ज्ञान की कोई पराकाष्ठा नहीं है। अध्ययन से हमें अनुभव एवं सूचना के रूप में ज्ञान प्राप्त होता है। पुस्तकें हमारे जीवन का एक महत्त्वपूर्ण अंश है। पुस्तकों के अध्ययन से हम भिन्न-भिन्न प्रकार के ज्ञान अर्जित करने में सक्षम होते हैं। पुस्तकें विद्यालयी विद्यार्थियों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए एक उपयोगी साधन है। विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन पुस्तकों द्वारा संभव होता है, वहीं बुजुर्गों के लिए समय व्यतीत एवं मनोरंजन के साधन रूप में पुस्तकें कार्य करती हैं। वर्तमान दौर में तकनीकों का प्रसार इस हद तक हो चुका है कि आज पुस्तकों का स्थान मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, टैबलेट आदि ने ले लिया है। इनका आकर्षण इतना अधिक हो गया है कि लोगों ने पुस्तकों को पढ़ना बहुत कम कर दिया है। आज पुस्तकें न पढ़ने का कारण विविध प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हैं। इन उपकरणों के कारण लोग भले ही कुछ ज्ञान अर्जित कर लेते हैं, परंतु समय का जो दुरुपयोग आज का युवा वर्ग कर रहा है उसको भर पाना असंभव प्रतीत होने लगा है। पुस्तक पढ़ने की आदत से हम नित दिन अध्ययनशील रहते हैं। इससे पढ़ने में नियमितता बनी रहती है तथा हम मानसिक रूप से भी स्वस्थ बने रहते हैं। अतः हमें सदैव पुस्तक पढ़ने की आदत बनानी चाहिए।

अथवा

बाल-दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है। स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से बहुत प्यार था। प्रतिवर्ष इस दिन विद्यालयों में विशेष समारोह होते हैं। किसी-किसी विद्यालय में छात्र छात्राओं को मिठाई बाँटी जाती हैं। इस दिन बाल-कल्याणकारी कार्यक्रमों की घोषणा होती है या उन्हें शुरू किया जाता है।
सरकार तथा अनेक संस्थानों की ओर से भी स्कूली बच्चों के मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धन के लिए अनेक कार्यक्रम होते हैं। सफदरजंग हवाई अड्डे पर बच्चों को नि:शुल्क हवाई सैर कराई जाती

है। राष्ट्रीय संग्रहालय, चिड़ियाघर, कुतुबमीनार में बच्चों के लिए निःशुल्क प्रवेश की अनुमति होती है। इसके अतिरिक्त नेहरू संग्रहालय में अनेक आयोजन होते हैं। आकाशवाणी तथा दूरदर्शन भी बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं में बच्चों की रुचि तथा लाभ के लिए उपयोगी सामग्री का प्रकाशन होता है। बाल दिवस के त्योहार का सबसे बड़ा महत्व बच्चों में आत्म-सम्मान, आत्म-गौरव, स्वयं को पहचानने, जीवन में कुछ कर दिखाने की चाह जैसे विचार उत्पन्न करने में हैं। इससे वे उन्नति के पथ पर अग्रसर होते हैं।

अथवा

वैश्विक महामारी कोविड-19 या कोरोना वायरस (सीओवी) अत्यंत सूक्ष्म (छोटा) किन्तु प्रभावी वायरस है। (दिसम्बर 2019) में चीन के बुहान से शुरू हुए इस घातक वायरस ने विश्व के अनेक देशों में लाखों लोगों को अकाल मृत्यु का शिकार बना दिया। इसके प्रारम्भिक लक्षणों में सर्दी, जुकाम, बुखार, नाक बहना, गले में खराश और बाद में साँस लेने में तकलीफ होना, किडनी फेल होना तथा अंत में मृत्यु होना जैसे दुष्परिणाम सामने आए। इससे बचाव के लिए आवश्यक है कि हम बार-बार साबुन से हाथ धोएँ, अनावश्यक घर से न निकलें, सामाजिक दूरी का पालन और मास्क का उपयोग करें, संक्रमित होने पर अन्य लोगों से दूरी बनाकर रखें। कोरोना के संक्रमण को तेजी से फैलने से रोकने हेतु सरकार द्वारा समय-समय पर लॉकडाउन घोषित किया गया। सभी शिक्षण संस्थाएँ बंद करके विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षण सुविधा प्रदान की जा रही है। अभी कोविड-19 से बचाव का टीका नहीं बना है। अतः आवश्यक है कि हम भयमुक्त हों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशों का पालन करें, पौष्टिक आहार लें। योग-व्यायाम करें तथा पुस्तकों से दोस्ती करें।

16.

जवाहर नवोदय विद्यालय
गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र.
सूचना
खोया-पाया के सन्दर्भ में

दिनांक ....

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय परिसर में एक बटुआ मिला है जिसमें रुपयों के साथ कुछ जरूरी कार्ड भी हैं। जिस किसी का हो अथवा जिसे इसके मालिक का पता हो, पहचान बताकर खोया-पाया विभाग में शर्मा सर से संपर्क करें।

आज्ञा से
प्रभारी
खोया-पाया विभाग

अथवा

बाल भारती विद्यालय
राजेश नगर, उ.प्र.
आवश्यक सूचना
वार्षिक खेद-कूद प्रतियोगिता हेतु

दिनांक ....

दिनांक 15 अक्टूबर, 20.. को विद्यालय में 'वार्षिक खेल-कूद' प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए इच्छुक छात्र 09 अक्टूबर, 20.. तक अपने शारीरिक शिक्षा अध्यापक से संपर्क कर नामांकन करा लें।

सुशिल शर्मा
(प्रधानाचार्य)

200 ग्राम केवल 40 रूपये में

17.

सुस्ती हटाए, ताज़गी लाए
चंचल चाय के संग
भर लो जीवन में उमंग

चंचल चाय
अपनी सुबह को मस्त बनाए
चंचल चाय को अपनाए
सबकी पहली पसंद
एक अच्छी सुबह के लिए

अथवा

सावधान ! सावधान ! सावधान ! सावधान !
पंजाब नेशनल बैंक, गोविन्दम् नगर

ए.टी.एम. केंद्रों पर जाने से पहले निम्नलिखित सावधानी बरतें
अपना पिन कोड किसी को न बताएँ
किसी अनजान व्यक्ति की कभी सहायता न लें
अपना कार्ड किसी को न दें
जाँच लें कि ए.टी.एम. केंद्र में कोई विद्युत यंत्र तो नहीं लगा है
जाँच लें कि कोई आपकी निगरानी तो नहीं कर रहा है
लेन-देन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद कैंसिल बटन को दबाना न भूलें
सावधान रहें, सुरक्षित रहें
सावधानी में ही सुरक्षा है
पंजाब नेशनल बैंक द्वारा जनहित में जारी!
सावधान ! सावधान ! सावधान !
किसी विशेष परिस्थिति या संदेह होने पर निम्न मो. नं. पर संपर्क करें-9885५२XXX

18. किसी नदी में मंदबुद्धि नामक एक कछुआ रहता था। एक दिन वह तट पर लेट कर धूप का आनन्द ले रहा था कि तभी एक खरगोश उसके पास आया। दोनों आपस में बातचीत करने लगे। बातों-बातों में दौड़ की बाजी लग गई। दौड़ लगाने के लिए अगले दिन सूर्योदय का समय निर्धारित किया गया। उन्हें दौड़ लगाकर गाँव के बाहर बने एक कुएँ तक पहुँचना था। अगले दिन निश्चित समय पर दौड़ आरम्भ हुई। खरगोश छलांगें लगाता हुआ तेज गति से आगे बढ़ गया और कछुआ अपनी धीमी गति से चलता चला गया। कुछ ही देर के बाद खरगोश ने पीछे मुड़कर देखा

तो उसे कछुआ कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। उसने सोचा कि वह धीमी चाल से चलने वाला कछुआ उसका क्या मुकाबला करेगा, क्यों न वह थोड़ी देर घने पेड़ की छाया में विश्राम कर ले। यह सोचकर वह लेट गया और जल्दी ही गहरी नींद में चला गया।
मंदबुद्धि कछुआ निरन्तर चलता-चलता जब वहाँ पहुँचा तो उसने खरगोश को गहरी नींद में सोते हुए पाया। कछुआ उसे उसी स्थिति में छोड़कर आगे बढ़ गया। दोपहर बीतने पर खरगोश की आँख खुली तो वह घबराकर सरपट कुएँ की ओर दौड़ा। जब वह गाँव के बाहर निश्चित स्थान पर पहुँचा, तो उसने वहाँ कछुए को विश्राम करते हुए पाया। वह दौड़ हार चुका था। उससे थोड़ी दूरी पर एक लोमड़ी बैठी थी। खरगोश ने पूछा, "लोमड़ी मौसी! मैं कछुए से तेज दौड़ा फिर भी हार गया।" लोमड़ी ने उत्तर देते हुए कहा-हाँ, खरगोश भाँजे! तुम्हारा घमण्ड तुम्हें ले डूबा। तुमने पहले आराम किया और बाद में काम के बारे में सोचा; जबकि मंदबुद्धि कछुआ निरंतर अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ता गया। इसलिए वह दौड़ जीत गया।
सीख- हमें कभी घमण्ड नहीं करना चाहिए क्योंकि घमण्डी का सिर नीचा होता ही है।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: dyancsz@mcd.org.in
CC ...
BCC ...
विषय - पार्क में खोमचे वालों को हटाने हेतु
महोदय,
मैं गोविन्द नगर का रहने वाला हूँ तथा वार्ड की स्वच्छता समिति का अध्यक्ष हूँ। मैं आपका ध्यान बस्ती के पार्क में खोमचे वालों द्वारा अनधिकृत डेरा डालने की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। दिन-प्रतिदिन पार्क की स्थिति खराब होती जा रही है। बच्चों को खेलने और बड़े-बूढ़ों को टहलने के लिए जगह नहीं मिल रही है। वे लोग इस पार्क में कचरा फेंक कर इस पार्क को दूषित कर रहे हैं।
महोदय, गोविन्द नगर, वार्ड की स्वच्छता समिति का सुझाव है कि बस्ती के पार्क से खोमचे वालों को हटाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाए। यदि आवश्यक हो तो इनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही भी की जाए। इससे समस्त निवासियों को लाभ मिलेगा और हमारा पर्यावरण भी प्रदूषण मुक्त हो जाएगा।
पवन